राजा जो भी छूता
वो सोना बन जाता

राजा जो भी छूता
वो सोना बन जाता

राजा मिडास को सोने से प्रेम था.
वो सोने के बने पलंग पर सोता था.
अपनी पालतू चिड़िया को वो सोने के पिंजरे में रखता था.
चिड़िया सुबह-सुबह गीत गाकर
राजा मिडास को नींद से उठाती थी.

रोजाना सुबह राजा अपने सिर पर
सोने का मुकुट पहनता था.
फिर वो अपनी बेटी मैरीगोल्ड के साथ
बैठकर नाश्ता करता था.

वे महल के शाही बाग़ में उगे
ख़ास अंगूरों का रस पीते थे.
वे सोने के गिलासों में रस पीते थे.
वे सोने की थालियों में खाते थे.

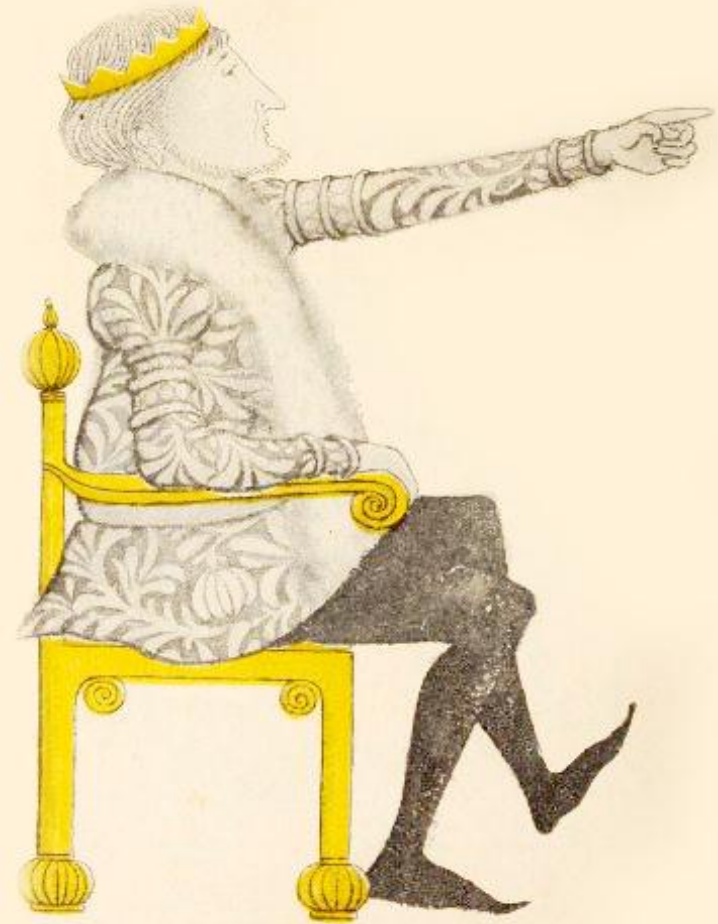

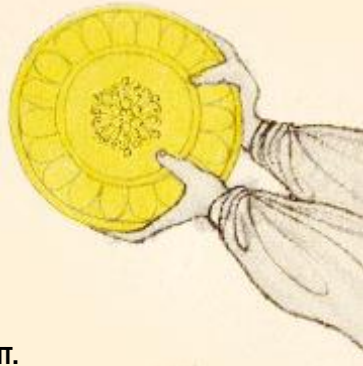

नाश्ता करने के बाद राजा
राजमहल के सुनारों से मिलता था.
सुनार, राजा के लिए सोने की घड़ियाँ
और सोने की मेज़ें बनाते थे.
वो मछलियाँ पकड़ने के लिए
सोने के हुक भी बनाते थे.

रोजाना राजा घोड़े पर सवार होकर
सोने की खोज में अपने पूरे
राज्य का चक्कर लगाता था.
उस सोने को वो
अपने महल में लाता था.

महल में राजा के नौकर
सोने को नीचे तहखाने में ले जाते थे.
राजा उनके के लिए एक गुप्त दरवाज़ा खोलता था.

नौकर उस सोने को
एक बड़ी, अँधेरी गुफा में रखते थे.
वो गुफा पूरी तरह सोने से भरी थी.

राजा रोज़ खुदको
गुफा में बंद करता था.

“सोना!” वो खुद से कहता.
“मुझे सोने की चमक बेहद पसंद है.”

“सोना!” वो खुद से कहता.
“मुझे सोने को छूने में कितना मज़ा आता है.”

“सोना! “सोना! “सोना!”
“मुझे सोने से कितना प्रेम है!”

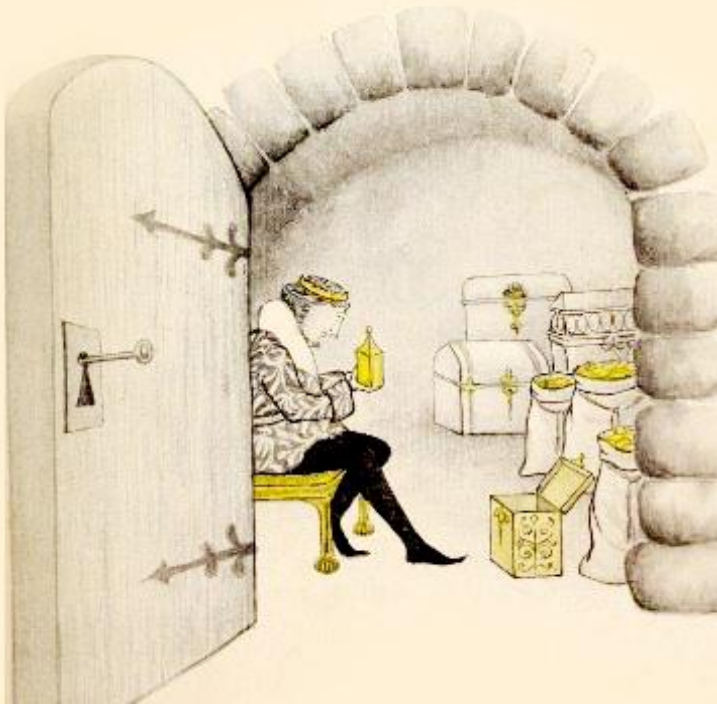

एक दिन राजा अपनी गुफा में था.
तब उसने एक आवाज़ सुनी. उसने ऊपर देखा.
उसे एक छोटा सा अजीब आदमी दिखाई दिया.
“तुम यहाँ अन्दर कैसे आए?” राजा ने पूछा.

“मैं कुछ भी कर सकता हूँ,” उस छोटे आदमी ने कहा.
“देखो, मैं तुम्हारी किसी भी मर्ज़ी
को पूरा कर सकता हूँ.
बताओ, तुम क्या चाहते हो?”

“मैं सबसे ज्यादा क्या चाहता हूँ - सोना!” राजा ने कहा.
“मैं चाहता हूँ कि जो चीज़ भी मैं छूं
वो सोने में बदल जाए.”

“यह तो बहुत बड़ी इच्छा है,”
उस छोटे आदमी ने कहा.
“हो सकता है उससे तुम्हें ख़ुशी न मिले.
पर अगर तुम्हारी वही दिली इच्छा है तो ....

...मैं तुम्हारी इच्छा ज़रूर पूरी करूंगा.
अब तुम ऊपर जाओ और अपने पलंग पर सो जाओ.
सुबह उठने के बाद तुम जिस चीज़ को छुओगे
वो सोने में बदल जाएगी."

यह कहने के बाद वो छोटा आदमी
एक चुटकी में वहां से गायब हो गया.

उस रात राजा मिडास को नींद नहीं आई.
पूरी रात वो यही सोचता रहा,
"क्या मेरी इच्छा वाकई में पूरी होगी?
मैं जिस चीज़ को छुऊँगा
क्या वो सोने के बदलेगी?"

आखिर सुबह हुई और सूरज निकला.
राजा की पालतू चिड़िया चहचहाने लगी.
तब राजा मिडास की नींद खुली.
उसने उठकर अपनी चिड़िया को थपथपाया.
उसकी पालतू चिड़िया तुरंत सोने में बदल गई.

“मेरे छूने से वाकई में चीज़े
सोने में बदल रही हैं!” राजा चिल्लाए.

फिर उसने अपने राजसी कपड़े पहने.
उसके कपड़े भी सोने में बदल गए!

फिर राजा अपने महल में दौड़ा.
उसने छूकर दरवाज़े को सोने में बदला.
उसने कुर्सी को सोने में बदला.
उसने छतरी को सोने में बदला.

फिर दौड़ते-दौड़ते वो बगीचे में पहुंचा.
वहां उसने मेंढक को सोने में बदला.
उसने लाल गुलाब के फूलों को छुआ
वे भी तुरंत सोने में बदल गए.

“देखो!” उसने राजकुमारी मैरीगोल्ड को बुलाकर कहा.
“देखो, मैं क्या कर सकता हूँ!”

पर मैरीगोल्ड ने राजा की
बात का कोई जवाब नहीं दिया.
उसने सिर्फ सुनहरे गुलाब के फूलों को देखा.
वे कड़क और ठंडे थे.
उनमें कोई खुशबू भी नहीं थी.

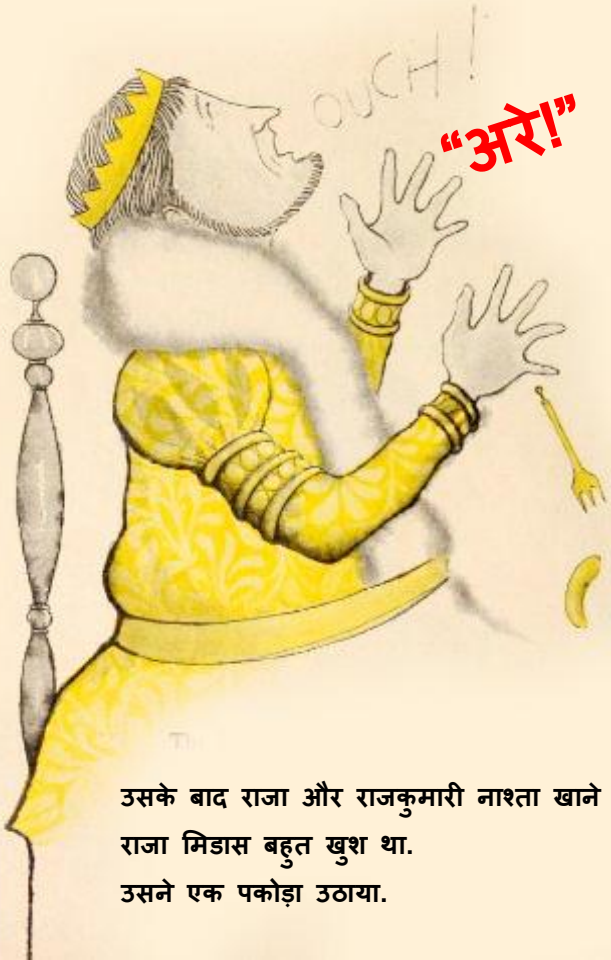

उसके बाद राजा और राजकुमारी नाश्ता खाने गए.
राजा मिडास बहुत खुश था.
उसने एक पकोड़ा उठाया.

"अरे!" राजा मिडास चिल्लाए.
"देखो मेरा पकोड़ा भी सोने में बदल गया!
अब मैं इसे नहीं खा सकता!"
उसने रोते हुए कहा.

फिर उसने अंगूर के रस का गिलास उठाया.
"अरे!" राजा मिडास चिल्लाया.
"अंगूर का रस भी सोने में बदल गया!"

“मुझे बहुत भूख लगी है!
मुझे ज़रूर कुछ खाना चाहिए!” वो चिल्लाया.

फिर वो महल के किचन में दौड़ा हुआ गया.
उसने झट से एक मछली उठाई.
मछली भी सोने में बदल गई.
उसने सेब और संतरे उठाए.
उसने तले पकोड़े उठाए.
वे सभी सोने में बदल गए.

पूरे दिन वही सिलसिला ज़ारी रहा.
राजा कुछ भी लिख नहीं पाया.
उसकी स्याही सोने में बदल गई.
राजा, ठंड में आग भी नहीं जला पाए.
क्यूंकि लकड़ियाँ भी सोने में बदल गयीं.

फिर राजा के सारे नौकर-चाकर भाग गए.
ऐसे महल में अब कोई भी काम नहीं करना चाहता था.

रात में राजा ने अपने दांत ब्रश किये.
उसने नहाने की कोशिश की.
उसने सोने की कोशिश की.
पर वो कुछ भी नहीं कर पाया.

फिर राजा मिडास अपने
सोने के बने पलंग पर बैठकर रोने लगा.

राजकुमारी मैरीगोल्ड ने पिता के
रोने की आवाज़ सुनी.
वो दौड़ी-दौड़ी राजा के कमरे में आई.
“प्रिय पिताजी,” मैरीगोल्ड ने कहा.
“कृपा रोइए मत!”

फिर मैरीगोल्ड राजा के पास गई.
उसने अपने दोनों हाथ आगे बढाए.

राजा मिडास ने भी अपने हाथ आगे किए.
उन्होंने अपनी बेटी को छुआ.
मैरीगोल्ड तुरंत सोने की
एक मूर्ती में बदल गई.

फिर राजा मिडास
रोजाना सोने के महल में
अपने सिंहासन पर बैठकर
सोने की बनी अपनी बेटी
की सुनहरी, ठंडी मूर्ती को घूरता रहता.

फिर एक दिन अचानक बिजली चमकी.
राजा मिडास ने अपना सिर ऊपर उठाया.

वो छोटा आदमी उनके सामने फिर खड़ा था!

“राजा मिडास,” उस छोटे आदमी ने कहा.
“मैं आपकी एक इच्छा और पूरी कर सकता हूँ.
अगर आप सोने से ज्यादा
किसी चीज़ को चाहते हैं
तो वो आप मुझसे मांग सकते हैं.
तहेदिल से आप उस इच्छा की
फरमाइश कर सकते हैं!”

यह सुनकर राजा मिडास उछल पड़ा.
वो अपने दिल से
अपनी बेटी को छूना चाहता था.
फिर उसने अपनी सुनहरी, ठंडी बेटी को छुआ.

राजा मिडास की इच्छा पूरी हुई.
उसकी बेटी सोने की मूर्ती से बदलकर
फिर असली राजकुमारी मैरीगोल्ड बन गई!

फिर वे दोनों पूरे महल में दौड़े.
राजा ने जो चीज़ें पहले छुईं थीं
उन्होंने उन्हें दुबारा से छुआ
फिर वे पहले जैसी बन गईं.

राजा ने गुलाब को छुआ.
राजा ने मेंढक को छुआ.
राजा ने छतरी को छुआ.
राजा ने अपनी पालतू चिड़िया को छुआ.

अंत में राजा ने पकोड़ों
और अंगूरों के रस को छुआ.

उसके बाद राजा मिडास और
राजकुमारी मैरीगोल्ड नाश्ता खाने बैठे.
वो उनके जीवन पूरे में
सबसे ख़ुशी का नाश्ता था.

“सोना! सोना! सोना!
मुझे सोने से कितना प्रेम है!”
राजा मिडास ने कहा.
“काश मैं जिस किसी चीज़ को छूं
वो सोने में बदल जाए!”

बिचारे राजा मिडास!
उनकी इच्छा पूरी हुई!!